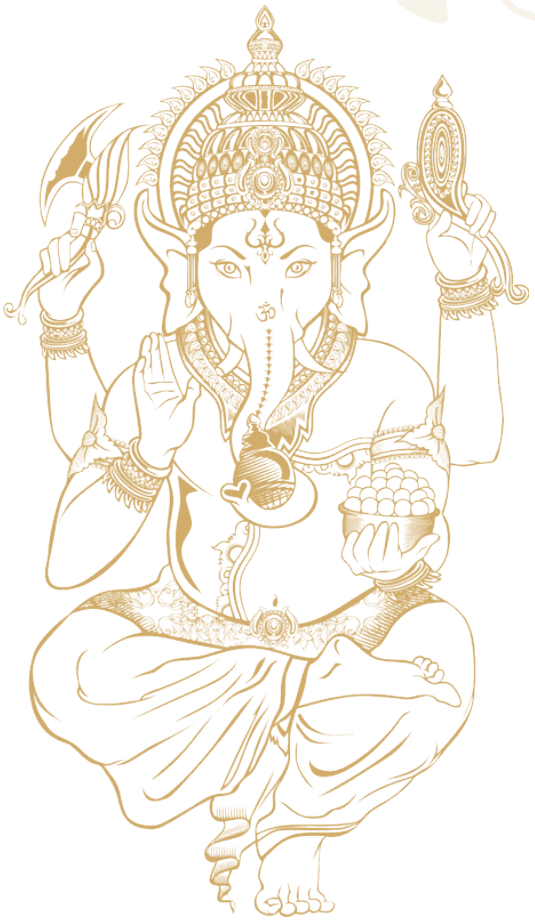

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/01/2026	जन्म तिथि	29/01/2026
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 11:29:00	जन्म समय	11:29:00 घंटे
घटी 10:44:37	जन्म समय(घटी)	10:44:37 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:11:09	सूर्योदय	07:11:09
17:57:40	सूर्यास्त	17:57:40
24:13:24	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:24

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 8मा 27दि	10:55:10	मेष	लग्न	मेष	10:55:10	मंगल 5वर्ष 8मा 27दि
मंगल	15:06:33	मक	सूर्य	मक	15:06:33	मंगल
29/01/2026	25:43:56	वृष	चंद्र	वृष	25:43:56	29/01/2026
27/10/2031	10:21:11	मक	मंगल	मक	10:21:11	27/10/2031
29/01/2026	20:24:49	मक	बुध	मक	20:24:49	29/01/2026
राहु 12/04/2026	23:27:05	मिथु व	गुरु व	मिथु	23:27:05	राहु 12/04/2026
गुरु 19/03/2027	20:30:08	मक	शुक्र	मक	20:30:08	गुरु 19/03/2027
शनि 26/04/2028	04:09:02	मीन	शनि	मीन	04:09:02	शनि 26/04/2028
बुध 24/04/2029	15:05:06	कुंभ व	राहु व	कुंभ	15:05:06	बुध 24/04/2029
केतु 20/09/2029	15:05:06	सिंह व	केतु व	सिंह	15:05:06	केतु 20/09/2029
शुक्र 20/11/2030	03:15:05	वृष व	हर्ष व	वृष	03:15:05	शुक्र 20/11/2030
सूर्य 28/03/2031	05:50:31	मीन	नेप	मीन	05:50:31	सूर्य 28/03/2031
चन्द्र 27/10/2031	09:23:09	मक	प्लूटो	मक	09:23:09	चन्द्र 27/10/2031

लग्न-चलित

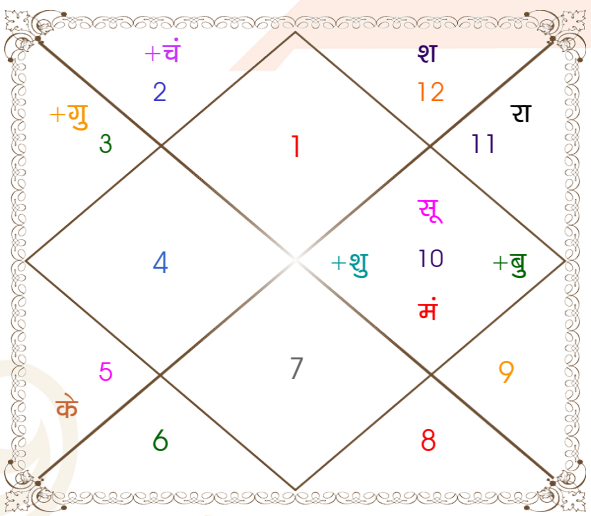

लग्न-चलित

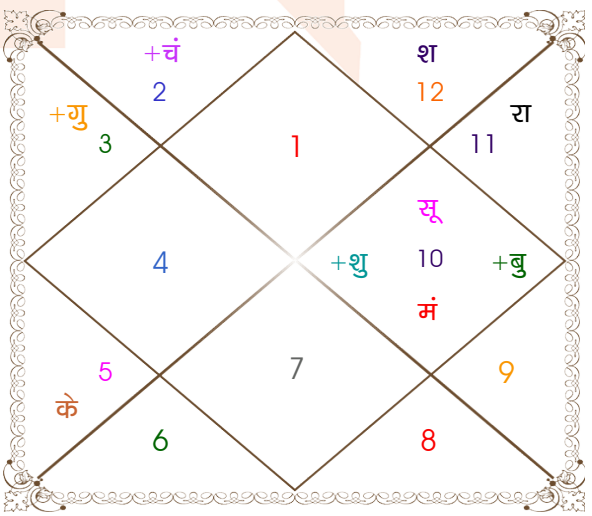

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सर्प	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. का नक्षत्र मृगशिरा है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र मृगशिरा है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।